PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Jansatta, Delhi
Friday, 29th April 2011, Page: 4
Width: 16.68 cms Height: 8.51 cms, Ref: pmin.2011-04-29.41.19

दवाइयों की तस्करी करने वाले गिरफ्तार

19-4

जनसत्ता संवाददाता

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। सरकारी अस्पतालों से दवाओं की तस्करी करने वाले एक गिरोह के पांच लोगों को उत्तर पूर्वी जिला पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके नाम अश्वनी शर्मा, प्यारे अली, हाकिम सिंह, धर्मेंद्र कुमार और नरेंद्र कुमार शर्मा हैं। अश्वनी इस गिरोह का सरगना बताया जाता है। पुलिस के मुताबिक इनके कब्जे से करीब 60 लाख रुपए की दवाइयां बरामद की गई हैं। चोरी की दवाइयां उत्तर प्रदेश के शहरों में सप्लाई की जाती थी।

पुलिस के मुताबिक सूचना थी कि सरकारी अस्पतालों में गरीबों के लिए लाई जाने वाली दवाइयां गरीबों को नहीं दी जा रही है और एक गिरोह इन दवाइयों को चोरी करके दिल्ली के बाहर उत्तर प्रदेश सहित दूसरे शहरों में बेच देने में सक्रिय है। इंस्पेक्टर पंकज शर्मा ने इस सूचना पर जानकारी इकट्ठी करना शुरू किया। इस बीच पुलिस ने बड़ी संख्या में कैमिस्टों और फार्मासिस्टों से भी संपर्क किया और इस बाबत जानकारी इकट्ठी की। इसके बाद मान सरोवर थाने के एसएचओ की सहायता से एक टीम तैयार की गई जिसकी अगुआई सहायक पुलिस आयुक्त, शाहदरा, धर्मवीर जोशी ने की इसके बाद पकड़े गए अश्वनी के घर पर पुलिस ने दबिश दी। इस दौरान पुलिस ने पब्लिक के एक गवाह भी साथ रखा।

छापे के दौरान बड़ी मात्रा में दवाईयां बरामद की गई। दवाईयों पर दिल्ली के अस्पतालों में सप्लाई करने के स्टीकर और 'नॉट फॉर सेल' के स्टीकर लगे थे। पुलिस के मुताबिक मौके से 28 तरह की मंहगी दवाईयां बरामद की गई। इनमें सिपरौन, एमपिसिलीन, एस्थालिन, एसोक्सीलीन आदि शामिल हैं।

पुलिस के मुताबिक अश्वनी से जब पूछताछ की गई तो वह कोई जवाब नहीं दे सका। पूछताछ के दौरान पता चला कि अश्वनी एक फार्मासिस्ट परिवार से है। उसके पिता भी स्वामी दयानंद अस्पताल में फार्मासिस्ट थे। जबकि उसके बड़े भाई की नंद नगरी इलाके में कैमिस्ट की दुकान है। खुद अश्वनी ने भी बंगलौर से फार्मासिस्ट का कोर्स किया हुआ है और छह महीने के लिए उसने स्वामी दयानंद अस्पताल से बतौर अप्रैंटिस काम किया। जिसकी वजह से वह दवाईयों और उनकी सप्लाई के बारे में खासी जानकारी रखता था। इसलिए उसने फार्मासिस्टों और कैमिस्टों के साथ मिलकर एक गिरोह तैयार कर लियाऔर अस्पताल से चोरी करके दवाईयां 10-20 फीसद कम दामों पर बाजार में दुकानों पर बेच दिया करता था।

Miscellaneous.